निर्माण, आवास तथा नगरीय विकास मंत्री (श्री मेहर चन्द खन्ना) : (क) विट्ठल भाई पटेल हाउस में 144 रिहायशी यूनिट (36 दो कमरे वाले तथा 108 एक कमरे वाले सूट्स) हैं। संसद सदस्यों की मांग पर इस सीमा तक उन्हें स्थान आवंटित किया जा सकता है ।

(ख) 12

(ग) संसद सदस्यों की आवश्यकताओं से फालतू स्थान सामान्यतः 700 रुपये प्रति माह तथा इससे अधिक वेतन पाने वाले अधिकारियों अथवा भारतीय प्रशासनिक सेवा, भारतीय पुलिस सेवा तथा अवधि के आधार पर केन्द्रीय सरकार में आए राज्य सरकार के राजपत्रित अधिकारियों को आवंटित किया जाता है । इस समय ऐसे अधिकारियों के द्वारा 126 फ्लैटों पर कब्जा है ।

(घ) और (ङ). आवंटन की सामान्य प्रक्रिया में थोड़ी अवधि के लिए कुछ सूट्स खाली पड़े रहे । इस प्रकार के खाली पड़े रहने को "राजस्व की हानि" नहीं कहा जा सकता । कुछ फ्लैटों को संसद सदस्यों तथा प्रशासनिक सुधार आयोग की आपाती मांगों की पूर्ति के लिए भी खाली रखना पड़ा है ।

Reorganisation of Ministry of Works and Housing

2320. Shri Bhagwat Jha Azad:
Shri M. L. Dwivedi:
Shri S. C. Samanta:
Shri Subodh Hansda:
Shrimati Savitri Nigam:
Shri P. C. Borooah:

Will the Minister of **Works, Housing and Urban Development** be pleased to state:

(a) whether the reorganisation of the Ministry will necessitate retrenchment of some employees; and

(b) if so, whether efforts will be made to provide alternative employment for them?

The Minister of Works, Housing and Urban Development (Shri Mehr Chand Khanna): (a) and (b). The reorganisation has resulted in reduction of some assistants and clerks but they have been absorbed in vacancies elsewhere.

गण्डक परियोजना के लिये सीमेंट की कमी

2321. **श्री द्वा० ना० तिवारी** : क्या सिंचाई और विद्युत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि गण्डक परियोजना (बाल्मीकी नगर) के लिये सीमेंट की कमी पड़ गई है, जिसके परिणामस्वरूप किसी भी समय काम बन्द हो सकता है; और

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं और इस कमी को पूरा करने के लिये क्या कार्यवाही की गई है ?

सिंचाई और विद्युत मंत्री (श्री फखरुद्दीन अहमद) : (क) अक्तूबर-दिसम्बर, १९६५ की अवधि में गण्डक परियोजना के लिये सीमेंट की सप्लाई में अस्थाई रूप से कमी हुई थी, परन्तु इससे कोई काम बन्द नहीं हुआ ।

(ख) सीमेंट की आम कमी के कारण परियोजना अधिकारियों की मांगों के मुकाबले सीमेंट की सप्लाई कम रही । रेलवे अधिकारियों द्वारा ७ और २७ नवम्बर, १९६५ के बीच मदुआदीह के रास्ते यातायात में लाई गई बन्दिशों के कारण सीमेंट लाने में भी कुछ देरी हो गई । इन बन्दिशों को हटवाया गया और कुछ अन्य आवंटनों में कमी करके समय पर परियोजना तक पर्याप्त मात्रा में सीमेंट लाने का प्रबन्ध किया गया ।